

RV. 10, 38, 5.

— प्रतिप्र zulassen zu (das Kalb zur Mutter) ÇAT. Br. 11, 1, 4, 1.
 — विप्र ablösen, abnehmen: संनाहान्विप्रमुच्य MBh. 6, 5767. Jmd be-
 freien: नानधीन्विप्रमुच्य R. 3, 39, 37. schleudern, abschliessen: विप्रमो-
 द्याम्यद् बाणात्र्वाग्निगजमर्मसु R. GORR. 2, 20, 42. ज्याविप्रमुक्ताः शराः 3,
 62, 7. verscheuchen: विप्रमुक्तभय (तालवन) so v. a. frei von Gefahren
 HARIV. 3723. pass. sich befreien: कित्त्विषादिप्रमोदयसे MBh. 3, 11800.
 13, 3600 (besser क्षणो विप्रमुच्यते ed. Bomb.). MĀRK. P. 101, 7. दास्याद्वा
 विप्रमुच्येयम् MBh. 1, 1318. 5879. 13, 3535. 4185 (विप्रमोदयसि am Ende
 eines Çloka ohne Noth). रत्नसा विप्रमुक्ताः 1, 6772. गुणविप्रमुक्ता frei von
 BHĀG. P. 7, 9, 18.
 — संप्र vollständig lösen ÇĀKH. Br. 18, 7. ÇR. 15, 27, 14. संप्रमुच्य mit
 passiver Bed. sich befreiend von ÇAT. Br. 14, 7, 1, 41.
 — प्रति 1) Jmd (dat. loc. gen.) Etwas anziehen, anhängen; befesti-
 gen, anbinden an: निष्कम् AV. 5, 14, 3. स्रजम् 8, 6, 26. पाशान् AIR. Br. 4,
 10. तस्य प्रज्ञे नावः पाशो प्रतिमोच ÇAT. Br. 1, 8, 1, 5. 3, 7, 1, 12. KĀTJ. ÇR.
 2, 7, 2. मरुत्सं वारूपाण्यशानात्मनि प्रतिमुञ्चति MBh. 2, 2323. अथ की-
 र्तिमयीं मालां प्रतिमोदयाम्यद् त्वयि 9, 3146. ते R. GORR. 2, 8, 45. गां पा-
 शेन प्रतिमुच्य स्थूपायां बद्ध्वा KĀTJ. ÇR. 26, 3, 3. मृत्युपाशैः प्रतिमुक्तस्य ge-
 bunden BHĀG. P. 3, 18, 10. प्रतिमुच्य काञ्चनान्तान्स कने परिगृह्य वाससा
 MBh. 4, 215. med.: अथ कीर्तिमयीं मालां प्रतिमोदये तव MBh. 0, 1922. ना-
 राचमालां रामस्य ललाटे प्रत्यमुञ्चत R. 6, 79, 61. प्रतिमुक्त angezogen, be-
 festigt u. s. w. AK. 2, 8, 2, 33. H. 763. (अञ्जनम्) तद्विलोचनेषु प्रतिमुक्त-
 मामाम् aufgetragen (= प्रतिदत्तम् Schol. in der ed. Calc.) RAGH. 16, 59.
 Jmd Etwas anhängen so v. a. anthon: अर्चवर्तिमेवास्मिन्पाप्मानं प्रति-
 मुञ्चति TBr. 1, 4, 2, 2. AV. 9, 2, 2. ÇAT. Br. 12, 4, 1, 9. तदस्मदग्निना युव-
 र्माप्रये प्रतिमुञ्चतम् KAUC. 58. वैरे परेषां प्रीयायां प्रतिमोदयति संयुगे MBh.
 3, 4198. med., in der späteren Sprache auch act.; sich anziehen, an-
 legen; annehmen (eine Gestalt) u. s. w.: द्रुकः पाशान्प्रति स मुंचीष्ट
 RV. 7, 59, 8. द्रापिं प्रति मुञ्चते 4, 53, 2. 9, 100, 9. अत्कान् 5, 33, 6. 81, 2.
 मणिम् AV. 10, 6, 6. 19, 49, 8. 10, 6, 30 (act. aber मे dabei). वृषाणि VS. 2.
 30. वर्षाम् TS. 2, 5, 1, 6. केतुम् 4, 3, 11, 2. 5, 1, 10, 3. कृञ्जानिम् ÇĀKH. ÇR.
 3, 11, 14. शीर्षाणि चो मीद्विना प्रत्यमुञ्चत nahm auf den Kopf RV. 2, 17,
 2. य उखां प्रतिमुञ्चते TS. 5, 2, 1, 3. कवचं शरीरे प्रत्यमुञ्चत MBh. 4, 1219.
 कर्पायाः प्रतिमुच्यार्कं कुण्डले 33. 296. कवचानि प्रतिमुञ्चतु — गात्रेषु
 1022. रुद्रदत्तामिमो मालां सुयीवः प्रतिमुञ्चतु R. 4, 16, 51. — 2) Jmd frei-
 lassen, entlassen: महाक्रतोरमुं तुरंगं प्रतिमोक्तुमर्कसि RAGH. 3, 46. गृही-
 तप्रतिमुक्त 4, 43. अथमन्त इति निप्रं प्रतिमुक्तः तमाभुजा RĀGĀ-TAR. 4,
 536. KATHĀS. 44, 60. 54, 63. Etwas fahren lassen, aufgeben: ह्यासु प्र-
 तिमुक्तशय्यत्रवलं निद्रायते गोकुलम् MRĪKH. 116, 10. प्राप्तमर्थं तु यो मा-
 होच्छाह्वनैः प्रतिमुञ्चति Spr. 1898. abtragen (eine Schuld) MBh. 6, 5083.
 med. sich befreien von: कित्त्विषात्प्रतिमुच्यते M. 10, 118. भयात् 13, 1659.
 नरकात्प्रतिमुक्तः MĀRK. P. 13, 1. befreien (!): तिर्यग्येनो गतंश्चैव (so die
 neuere Ausg.) कर्मभिर्निरयामैः । तानपि प्रतिमुच्येत ब्रह्मयुक्तेन चेतसा ॥
 HARIV. 11619. — 3) schleudern: तस्माद्वाणं प्रति शरान्प्रतिमोदयाम्यद्
 शितान् MBh. 14, 847. 850. 856. 862. कृपेण शरवर्षाणि प्रतिमुक्तानि सं-
 युगे 8, 2613. श्लेषमूत्रपुरीषाणि युष्मासु प्रतिमोदयति 12, 10196. अथ्येन सं-
 यतं क्राधमसत्कारं च — प्रतिमोदयामि योधेषु क्लेशिव ऊताषानम् R.

V. Theil.

GORR. 2, 106, 25. कत्रे मेनिं प्रति तं मुचाले RV. 10, 27, 11. — Vgl. प्रति-
 मोचन. — caus. befreien, erretten: अस्मास्वं प्रतिमोचय MBh. 1, 5812.
 त्वदर्थमेतद्विनिपात्यमानं देहं त्वयैव प्रतिमोचितं मे MRĪKH. 172, 15. —
 desid. s. प्रतिमोचन.
 — संप्रति binden, fesseln: वरूपापशैश्च संप्रतिमुक्तः BHĀG. P. 5, 24, 23.
 — वि ablösen, losbinden, befreien; med. an sich odor für sich Etwas
 ablösen, z. B. die eigenen (Pferde) abspannen: वि मुमोक्तु पाशां RV.
 1, 24, 13. अश्वान् 104, 1. मुच 177, 4. मुञ्च 10, 160, 1. 2, 38, 3. 5, 62, 1. अस्म-
 न्मुञ्चता व्यंहेः 4, 12, 6. 7, 91, 5. वि सूर्या मध्ये अमुचद्भयम् 10, 138, 3. वि मु-
 चधमश्चान् 1, 171, 1. VS. 9, 12. 12, 73. ÇAT. Br. 3, 4, 1, 5. न अम्यपत्ति न
 वि मुचति (सिन्धवः) so v. a. lassen nicht ab, ruhen nicht RV. 2, 28, 4.
 मरि अस्मदि मुमुचः so v. a. devertere 3, 41, 8. ÇAT. Br. 6, 7, 2, 9. 8, 1, 12.
 वि पू मुञ्चा मुषुवेषो मनीषाम् entbinde RV. 10, 94, 14. VS. 12, 61. AIR.
 Br. 6, 23. वि पाशा मुमुचे die Fessel löste sich 7, 16. युक्तः विमुक्त ledig
 1, 14. डुन्दुभीन् abspannen TBr. 1, 3, 9. ÇAT. Br. 1, 8, 2, 9. 2, 26. वेदम्
 ÇĀKH. ÇR. 1, 15, 9. इदिम् LĀTJ. 1, 2, 22. इतो विमुच्यमानः sich befreiend
 von ÇAT. Br. 14, 6, 11, 1. 7, 2, 11. — विमुच्य वेणाम् MBh. 4, 301. विमु-
 क्तशेष BHĀG. P. 1, 15, 10. विमुच्य वाहान् abspannend MBh. 3, 15609.
 10, 2. रयादिमुच्य आत्तान्कयान् R. 2, 45, 33. तेन हि विमुच्यतामभीषवः
 schiessen lassen ÇĀK. 5, 15. विमुक्तप्रप्रदा वाजिनः BHĀTJ. 7, 50. विमुक्त-
 कण्ठम् (vgl. मुक्तकण्ठ) adv. mit gelöster Kehle, aus vollem Halse
 (schreien) Spr. 1335. 1098. न विमोदयामि दशनम् ablegen MBh. 1, 564.
 8, 2848. कवचम् 7, 8431 (med.). वासांसि गुत्राणि R. 1, 7. आभरणानि
 MBh. 1, 4095. R. 5, 68, 30. ततो विमुक्ता शरं शरामनं महेन्द्रतं कवचं
 च काञ्चनम् 6, 93, 65. विमुच्य नावम् MBh. 3, 10077. विमुक्ते प्रवक्ष्ये frei
 — flott gemacht Vid. 231. मरुषींश्च विमुच्य तान् befreien R. 3, 39, 34.
 अबध्यः बध्यतां को ऽथ बध्यः को वा विमुच्यताम् frei geben, laufen las-
 sen R. GORR. 2, 9, 11. MBh. 3, 2623. 2851. KUMĀRAS. 4, 31. RAGH. ed. Calc.
 2, 45. PĀNĀT. 41, 22. गर्भः स प्रसवमानो विमुच्यते löst sich ab, geht ab
 Suçr. 1, 317, 5. स्तेनः स्तेपादिमुच्यते befreit sich von dem Verbrechen des
 Diebstahls M. 8, 316. प्रोद्गा दास्यादिमुच्यते 414. कृच्छ्राद्वाहात् Spr. 4298.
 भयात् MBh. 2, 882 (विमुच्येयम्). 13, 363. KATHĀS. 1, 60. 69, 107. न निष्क्र-
 यविसर्गाभ्या भर्तुर्भार्या विमुच्यते sich der Gewalt des Mannes entziehen
 M. 9, 46. तस्य देहादिमुक्तस्य 6, 40. सर्वपापेभ्यः MBh. 3, 2493. अथात्
 (सूर्यमण्डल) 4, 312. वनादितः entkommen 148. नरकात् MĀRK. P. 13, 6.
 धनत्यागात् der nicht in den Fall kommt Reichthümer zu verschenken
 MBh. 12, 6573. st. des abl. auch der instr.: मरुतो ऽप्येनसो मासात्त्रे-
 वादिर्विमुच्यते M. 2, 79. पशैर्विमुक्तः MBh. 1, 6750. 3, 2618. 13, 3728. R. 4,
 29, 1. KĀM. NĪTIS. 13, 1. VARĀH. BRH. S. 8, 30. प्राणैः Spr. 944. 2332. KATHĀS.
 28, 126. PĀNĀT. 69, 2. 222, 18. येन येन विमुच्यते प्रजाः स्निग्धेन बन्धुना ver-
 lustig gehen ÇĀK. 130, v. l. VIKR. 129. Spr. 4711. विमुक्ता मणिभिर्जात्यैर्नवां
 मुक्तावलीमिव R. GORR. 2, 125, 7. न मे जीवन्विमोदयसे du wirst mir
 nicht lebendig entkommen MBh. 3, 1580. 15169. विषविमुक्तात्मन् befreit
 vom Gift 2839. RAGH. 2, 59. 13, 37. Spr. 3540. VARĀH. BRH. S. 38, 8. ÇĀKH.
 zu BRH. ĀR. UP. S. 301. BHĀG. P. 9, 11, 20. Ohne Ergänzung: देवक्रत्या
 मृगी भूवा मुनिं सूप विमोदयसे (sc. मृगीभावात्) MBh. 3, 10004. sc. पापात्
 M. 11, 80. 82. Spr. 3679. कलिकलुषाणि यानि लोकं मयि निपततु विमु-
 च्यतां तु लोकः KUMĀRILA bei MÜLLER, SL. 80. यावन्न विमोदये KUMĀND.